(ग्रामीण क्षेत्रों का आर्थिक उत्थान अध्ययन रिपोर्ट)

अध्ययन समूह की अन्तिम संस्तुतियॉ

1.पशुचिकित्सा के क्षेत्र में अभिनव प्रयोगों के लिये सम्भावनाओ का पता लगाना	**ऐसी संस्तुतिया जिनके परिणाम 2–3 वर्ष के अन्दर प्राप्त होगें।** 1. प्रत्येक विकास खण्ड स्तर पर मोबाईल वेटनरी क्लीनिक की स्थापना। 2.अधिक कृत्रिम गर्भाधान केन्द्रों की स्थापना हेतु एन0जी0ओ0 को बढ़ावा दिया जाये। पैरावेट्स को और कार्यशील किया जाये। कम से कम 5 वर्षों तक पैरावेट्स को मानदेय दिया जाये। 3. पैरावेट्स हेतु ट्रैकिंग व्यवस्था विकसित की जाये तथा पैरावेट्स के लिए 7 दिन का रिफ्रेशर कोर्स संचालित करने हेतु कार्य योजना प्रस्तुत की जाय। 4. कामधेनु योजना को और व्यापक स्वरूप देने हेतु कम संख्या के पशुओं यथा 5–10 पशओं की भी योजना ली जाये। 5. राज्य जैव ऊर्जा नीति 2014 के अन्तर्गत कामधेनु/मिनी कामधेनु/पशुधन प्रक्षेत्रों पर गोबर गैस उत्पादन एवं कम्पोस्ट खाद हेतु नवीन मॉडल को स्थापित कराया जाये। 6. संस्थागत वित्तीय संस्थाएं सुलभ पशुपालन हेतु प्राथमिकता के आधार पर अधिक से अधिक वित्तीय सहायता उपलब्ध करायें। इसके लिए उपाध्यक्ष महोदय की अध्यक्षता में वित्त एवं नाबार्ड के साथ बैठक कर नीति निर्धारण किया जाये। 7. चारा आच्छादन बढ़ाने हेतु पशुपालकों को सहायता प्रदान किया जाय। **ऐसी संस्तुतिया जिनके परिणाम 4–5 वर्ष के अन्दर प्राप्त होगे।**

	1. जोखिम प्रबन्धन के अन्तर्गत दुधारू पशुओं के बीमा कराने की योजना को व्यापक स्तर पर संचालित कराया जाये। 2. गावों में पशुओं को स्वच्छ पेय जल उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाये। **ऐसी संस्तुतिया जिनके परिणाम 5 वर्ष के पशचात प्राप्त होगे।** 1. अधिक पशुचिकित्सा संस्थाओं की स्थापना की जाय जिसके लिए पर्याप्त वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराये जायें। 2. प्रदेश के प्रत्येक मंडल स्तर पर एक पालीक्लीनिक तथा प्रत्येक जनपद में एक रोग निदान प्रयोगशाला स्थापित की जाये। 3. विभाग में अधिक आच्छादन हेतु मोबिलिटी बढ़ाने के लिए पशुचिकित्साधिकारी/पशुधन प्रसार अधिकारी को वाहन उपलब्ध कराने एवं उनके संचालन हेतु वाहन ऋण तथा वाहन भत्ता आदि व्यवस्था हेतु कार्य योजना प्रस्तुत की जाय।
2. पशुपालकों को विशेषज्ञ सलाह प्राप्त कराना।	**ऐसी संस्तुतिया जिनके परिणाम 2–3 वर्ष के अन्दर प्राप्त** 1- हरियाणा राज्य की भॉति अधिक दुग्ध उत्पादन करने वाले पशुपालकों को प्रति पशु दुग्ध उत्पादन के आधार पर इन्सेन्टिव प्रदान किये जाने हेतु कार्य

	योजना ली जाय जिससे अन्य पशुपालकों में गुणवत्ता युक्त पशुपालन एवं अधिक दुग्ध उत्पादन के प्रति स्पर्धा बढ़े। **ऐसी संस्तुतिया जिनके परिणाम 4–5 वर्ष के अन्दर प्राप्त होगे** 1. प्रदेश के बुन्देलखण्ड, पूर्वांचल एवं बृज क्षेत्र में 3 वीर्य उत्पादन केन्दों को स्थापित किया जाये। **ऐसी संस्तुतिया जिनके परिणाम 5 वर्ष के पशचात प्राप्त होगे** 1. पशुपालन के क्षेत्र में व्यापक प्रशिक्षण की व्यवस्था आवश्यक है। इसके लिए प्रदेश में एक पशुपालन प्रसार संस्थान एवं प्रदेश की भौगोलिक आवश्यकता अनुसार 6 प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित किये जायें।

3.पशुओ के स्वास्थ्य सम्बंधी आवश्यकताओं की पूर्ति किया जाना।	**ऐसी संस्तुतिया जिनके परिणाम 2–3 वर्ष के अन्दर प्राप्त होगे** 1. नवजात बच्चों (पशु) को नियमित अन्तराल पर परजीवी नाशक दवापान हेतु प्रत्येक पशु चिकित्सालय पर 50 हजार रूपये की औषधियों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाय। 2. कुक्कुट पालन के क्षेत्र को बढ़ावा दिया जाये। अण्डों के विपणन हेतु एन0ई0सी0सी0 की तर्ज पर एस0ई0सी0सी0 (स्टेट एग को–आर्डिनेशन कमेटी) बनायी जाये तथा अण्डों के मूल्य स्थानीय स्तर पर भी निर्धारित किया जाये। 3. पशुपालन के क्षेत्र में बजट की कमी है। संसाधनों को विकसित करने हेतु अधिक से अधिक बजेटरी सपोर्ट की आवश्यकता है।